einer Wiedergeburt das Parinirvâṇa *erlangend* Mahâvj. 46.

उपपयोधि Adv. *am Meere* Kir. 9,7.

उपपरीक्षक Adj. *prüfend, erwägend* Divjâvad. 212,9.

*उपपरीक्षितव्य Adj. *zu untersuchen* Mahâvj. 245,1047.

उपपायन 3.

उपप्रसन्नर्षि 5.

उपप्रातर् 1.

उपप्लुत 4.

उपबिलम् I. 2. *bis an den Rand* Âpast. Çr. 1,16,5.

उपभोगदेह m. *der geniessende Körper* Sâṁkhjas. 5,124.

उपमध्यमा 2. Die angegebene Bed. stets in Verbindung mit अङ्गुलि. Vgl. noch Âpast. Çr. 3,19,7. Âpast. Gṛhj. 4,5.

उपमन्थन n. *das Hinaufquirlen* Kauç. 40,8.

उपमर्दितव्य 4.

उपमातर् I. 1.

उपमाति I. 3.

उपमुख, Instr. Çâṅkh. Çr. 17,3,13 = मुखसमीपेन nach dem Comm.

उपयम und उपयमन I. 2.

उपयुक्ततमत्व 1.

उपयोग I. 2.

उपर I. 3.

उपरक्त 5.

उपरमम् Absol. *inne haltend* R. ed. Bomb. 3,7,22.

उपरागवत् 5.

उपरितन I. 3.

उपरिदश 4.

*उपरिम Adj. *der obere* Mahâvj. 15.

उपरिमर्त्य I. 5.

उपरिशय 4.

उपरिष्टात्काल 2.

उपरिष्टात्स्वाहाकार 3.

उपरिष्टादासेचनवत् 4.

उपरिष्टाद्धर्क 3.

उपरिष्टाद्दत्त 5.

उपरिष्टाद्धोमभाज् 3.

उपरिष्टाच्छदमन् 1 (steht hier an falscher Stelle). 2.

उपरिस्पृश् I. 3.

उपरुदित, उपरुद्ध und उपरोधम् 5.

उपलक्षितवैशिष्ट्यज्ञान 2.

उपलक्ष्मी 3.

उपलय m. *Schlupfwinkel* Gâtakam. 18,20.

उपवक्तर् I. 2) Maitr. S. 1,9,4 (133,4).

उपवत्स्यद्भक्त 1.

उपवनम् 5.

उपवपन 3.

उपवर्णनीय 5.

उपवक्तम् 3.

उपवासक I. 1.

उपविन्ध्याद्रि 2.

उपवी Adj. TS. 1,3,7,1 nach dem Comm. = उपाकर्तुं वेति गच्छति. Vgl. उपावी.

उपवीणय् I. füge *mit Lautenspiel feiern* und Pârv. 606,7 hinzu.

उपवीतित्व n. Nom. abstr. zu उपवीतिन् Âçv. Gṛhj. 4,7,13.

उपवेदि Adv. *beim Altar* Kir. 10,12.

उपव्याख्यान I. genauer *eine ergänzende Erklärung.*

उपशय I. 3. Zu 2) *d*) vgl. Âpast. Çr. 14,5,8. 6,12. 7,1.

उपशिक्षण n. *das Anstellen, in Dienst Nehmen* Comm. zu Âpast. Çr. 14,15,1.

उपशुष्क 3. Auch Âpast. Çr. 9,20,7.

उपशोष m. *das Vertrocknen, Verdorren* R. ed. Bomb. 4,18,53.

उपश्लोकय् I. 6.

उपश्लोकयितव्य 5.

उपश्वस् I. 3.

उपसंश्लिष्टत्व 6.

उपसंस्कार I. = प्राशन Dârila zu Kauç. 22,15.

उपसंस्कारविज्ञय 2.

उपसंस्कृतत्व 6.

उपसखि Adv. *bei der Freundin* Kir. 9,66.

उपसंक्रम m. *Behandlung* (in medic. Sinne) Divjâvad. 264,11.

उपसंज्ञिकीर्षु 3.

उपसमाधान auch *das Zulegen* (von Brennholz zum Feuer, अग्नेः) Âpast. Gṛhj. 4,10 u. s. w.

उपसंपदा 2.

उपसर्गय् 3.

उपसर्जन I. 3.

उपसर्जनी 4.

उपसागरम् 5.

उपसीम Adv. *am Rande* Kir. 4,2.

उपसेक 4.

उपस्कारम् und उपस्कीर्ण 1.

उपस्तम्भन I. 6.

उपस्थान I. 4.

उपस्थापना 4.

उपस्थायुक 2.

उपस्थावन् 4.

उपस्थित I. 5. 3) *b*) auch *das* इति *selbst.*

उपस्थूणक s. स्थूणोपस्थूणक.

उपहारमय Adj. (f. ई) vielleicht *aus Weihgeschenken bestehend* Gâtakam. 22,12.

उपांशुघातक m. *Meuchelmörder* Bṛhaspati in Vivâdar. 371.

उपांशुपावन 4.

उपांशुसवन I. 4.

उपाकरण I. 5.

उपाकर्तव्य 1.

उपागम I. 1) Kir. 4,35. Dharmaçarmâbhj. 4,51.

उपाङ्गिरःस्मृति 2.

उपात्तसार 6.

उपात्ति 1.

उपादानत्वसमर्थन 2.

उपादायरूप n. *Elementarform* Mahâvj. 101,10.

उपाधिमण्डन, उपाधिवाद und उपानस्यक 2.

1. उपात्त I. 3.

उपायकौशल्य n. 1) *Geschicklichkeit in der Wahl der Mittel* Saddh. P. — 2) *Titel eines Werkes Mahâvj. 65,20.

उपायास 3.

उपारोह m. *das Auftauchen, Wiederhervorkommen* Comm. zu Jogas. 1,11.

उपार्घ I. 6.

उपालिप्सु 6.

उपावी I. Maitr. S. 1,2,15 (24,8). उपावि (so auch v. l. an der ebengenannten Stelle) 3,9,6 (123,14). Vgl. उपवी.

उपावृत् I. 6.

उपासकाध्ययन 1.

उपासनासिद्ध Adj. *durch Cult in den Besitz übernatürlicher Kräfte gelangt* Mahâdeva zu Sâṁkhjas. 1,95.

उपासनासिद्धि f. *Erlangung übernatürlicher Kräfte durch Cult* Mahâdeva zu Sâṁkhjas. 1,25.

उपासासिद्ध Adj. = उपासनासिद्ध Sâṁkhjas. 1,95.

उपासितावित् 3.

उपाक्षित I. 3.

उपेन्द्र I. Deren 32 nach Divjâvad. 222,8.

उपेप्सा I. 1.

उपेयाति 2.

उपेयुत्तर und उपेयुन्दन 3.

उपेलव I. nach Dârila *eine best. Pflanze.*

उपेषण I. 6.

उपोषधोषित Adj. *die Fasten beobachtend* Divjâvad. 116,22. 121,19.

उप्तकेश 3.

उभ् I. 4. °उम्भित *voller* — Subhâshitâv. 181.

उभयकालिक 3.

उभयकोटिविनिर्मुक्त Adj. *nicht unter eine Alternative fallend* Aniruddha zu Sâṁkhjas. 1,133.

उभयकोटिस्पृश् Adj. *zu beiden Seiten einer Alternative in Beziehung tretend* Aniruddha zu Sâṁkhjas. 6,19.

उभयग्रासराहूदय und उभयचिक्र 2.

उभयतःकर्ण 4.

उभयतःपक्ष I. 3.

उभयतःफल 5.

उभयतःशिक्य und उभयतोधार 3.

*उभयतोभागविमुक्त Adj. Bez. eines Çrâvaka *auf einer best. Stufe seiner Entwickelung* Mahâvj. 46.

उभयतोमोद, उभयतोवाक् und उभयतोवीवध 5.

उभयतेजोवैश्वानर Adj. *beiderseits Vaiçvânara habend* Maitr. S. 4, 6,6 (87,6).

उभयदत्त I. 1.

उभयदेह m. *Doppelkörper* (d. i. कर्मदेह und उपभोगदेह) Sâṁkhjas. 5,124.

उभयवर्तनिन् 5.

उभयशिरस्क 6.

उभयस्पृश् Adj. = उभयकोटिस्पृश् Aniruddha zu Sâṁkhjas. 2,33.

उभयाबाङ्ग I. 3.